प्रसाद बिस्मिल, स्वामी श्रद्धानन्द जैसे महान कान्तिकारी नेताओं तथा श्रन्य शहोदों और देशभक्तों के स्मारक बनाने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है;

(ष) यदि हां, तो इन स्मारकों का स्वरूप क्या होगा?

निर्माण, भवास तथा पूर्ति मंत्रालय में उपमंत्री (श्री इकबाल सिंह): (क) ग्रीर (ख):

खर्च को गर्या खर्च को जानेवाली वार्षिक राशि श्रतिरिक्त संभावित मनुरक्षण राशि की प्रनुमानित

लागत

## (रुपये लाखों में)

- 1. राजघाट 1.00 43.26 1.31
- 2. शान्तिवन 10.30 24.39 0.17
- 3. विजयघाट 1.90 0.49 0.10
- (ग) और (घ). सार्वजनिक खर्चें पर मूर्तियां स्थापित करने का प्रस्ताव सरकार के द्वारा आरम्भ नहीं किया जाता। ऐसे प्रस्तावों को नगर पालिका, निकायों, गैर सरकारो संगठनों प्रथवा व्यक्तियों जो कि इस संध्र में पूरा व्यय वहन कर सके, को प्रवर्तन करना होता है।

मूर्तियां स्थापित करने के लिए गैर-सरक री पार्टियों से कुछ निम्नांकित प्रस्ताव मिले हैं:—

- श्री सुभाषचन्द्र बोस बगैर किसी वित्तीय प्रस्ताव के
- 2. सरदार भगतसिंह वित्तीय सहायता से

 स्वामी श्रद्धानन्द वित्तीय सहायता से इन मूर्तियों को स्थापित करने लिए स्थान का चयन विचाराधीन है।

## Krishna Water Dispute

129. SHRI ESWARA REDDY; SHRI K. SURYANARAYANA: SHRI RAM AVTAR SHARMA: SHRI SHIV KUMAR SHASTRI: DR. SURYA PRAKASH PURI:

Will the Minister of IRRIGATION AND POWER be pleased to state:

- (a) the further efforts which have been made by the Centre to resolve the dispute between Andnra Pradesh. Mysore and Marashtra over the sharing of Krishna river waters;
- (b) whether these efforts have yielded any results; and
- (c) if not, the further steps which Government propose to take to find an early solution to the dispute?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER (SHRI SIDDHESHWAR PRASAD): (a) to (c). As the disputes in respect of the Krishna and Godavari rivers could not be settled by negotiations, steps are being taken to refer these disputes to tribunals under the Inter State Water Disputes Act, 1956.

## उत्तर भारत में पेय जल की ग्रत्याधिक कमी

- 130. श्री रघुवीर सिंह शास्त्री: क्या स्वास्थ्य, परिचार नियोजन एवं नगर विकास मंत्री यह बताने की कृषा करेंगे कि :
- (क) क्या सरकार को पता है कि उत्तर भारत के लोगों को पेय जल की श्रस्य-धिक कभी की समस्या का सामना करना पड़ता है जो ग्रीष्म काल में ग्रीर भी भयंकर रूप धारण कर लेती हैं; ग्रीर